पूर्वज्ञान का परीक्षण -

प्रस्तावना - छात्राध्यापक छात्रों के पूर्वज्ञान का परीक्षण करने के लिए चित्र को दिखाकर कथा-कहानी पद्धति से प्रस्तावना करते हैं।

शि.- सिंह प्रतिदिन किसको खाता है।
छा.- सिंह प्रतिदिन पशुओं को खाता है
शि. - खरगोश कैसा था?
छा. खरगोश चतुर था
शि. सिंह कैसा था
छा. - सिंह मूर्ख था

कथा-कहानी का विशिष्ट उद्देश्य प्रकट करना

उद्देश्य कथन - आज हम 'मूर्ख सिंह' इस कथा के माध्यम से मूर्ख एवं चतुर के विषय मे ज्ञान प्राप्त करेंगे

प्रस्तुतीकरण- छात्राध्यापक सिंह एवं खरगोश का चित्र दिखाकर विषय-वस्तु प्रस्तुत करते है

अनुवाचन - छात्राध्यापक क्रमशः कुछ छात्रों को अनुवाचन के लिए निर्देश करते है। अशुद्धि संशोधन - छात्रों के द्वारा अशुद्ध उच्चारण करने पर श्यामपट्ट की सहायता से संशोधन करते है।

काठिन्य निवारण - छात्राध्यापक जटिल, दुर्बोध अंशो को विभिन्न प्रविधियों (तौर-तरीकों) से स्पष्ट करते है

पाठ प्रदर्शन

पाठ के प्रति उन्मुखीकरण -
सार कथन - यहाँ कहानी के सारांश को उद्बोध करते है।
पुनः सस्वर वाचन
पुनरावृत्ति प्रश्न -
गृहकार्य (Home work)

Teacher's Signature Dr. Shyam Bihari Choudhary